हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 4 जुलाई 2025

11 मांगावास गांव में गली के मुख्य रास्ते पर किया गया अतिक्रमण हटाया

12 बीए की 84.4 व बीसीए की 78.6% रही कट ऑफ

खबर संक्षेप

झज्जर। हल्की बारिश के बीच गुजरते हुए वाहन। फोटो : हरिभूमि

दिनभर धूप ने किया परेशान शाम को बरसे बदरा

झज्जर। बरसात के बाद निकलने वाली तेज धूप लोगों को जीना मुहाल कर रही है। वीरवार को दिन की शुरुआत तेज धूप के साथ हुई। दिन में अधिकांश समय सूर्य के तेवर तल्ख दिखाई दिए। बीच में एक बार आसमान पर छाए बादलों के कारण लोगों को राहत मिलने की उम्मीद बंधी लेकिन फिर से निकली धूप जीना मुहाल कर दिया। इसके बाद शाम सात बजे आसमान में छाये बादल मेहरबान हुए। थोड़ी देर के लिए आई बारिश से मौसम खुशगवार बना लेकिन गुम हुई हवा के चलते लोग फिर गर्मी से बेहाल हो गए। दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आसमान पर मौजूद हल्के बादलों की वजह से वातावरण में आर्द्रता बढ़ गई है। आर्द्रता की वजह से ही उमस का अहसास हो रहा है।

दिनभर बदलता रहा मौसम

बहादुरगढ़। वीरवार को इलाके में मौसम बार-बार बदलता रहा। कभी तेज धूप खिलती तो कभी आसमान में बादल छा जाते। दिनभर में कई बार हल्की बूंदाबांदी भी हुई। दरअसल, बीते कुछ दिनों से रोजाना आसमान में बादल छा रहे हैं। रोजाना तेज बरसात की उम्मीद होती हैं लेकिन कुछ बूंदें गिरकर रह जाती हैं। बेशक तापमान कम है लेकिन वातावरण में उमस बढ़ी हुई है। इस वजह से लोगों को दिक्कतें हो रही हैं। वीरवार को दिनभर मौसम परिवर्तनशील रहा। कभी धूप तो कभी बूंदाबांदी हुई। आगामी कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार हैं।

पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा शव

झज्जर। गांव भदानी में मंगलवार की रात टेंट की दुकान पर काम करने वाले श्रमिक द्वारा फांसी लगाए जाने के मामले में वीरवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जांच अधिकारी सुनील नैन ने बताया कि मृतक के पिता रमेश के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। बता दें कि भदानी गांव में टेंट की दुकान में कार्यरत यूपी के बांदा जिला के गौरीकलां निवासी सुनील कुमार ने फांसी लगा कर आत्महत्या ली थी। सुनील पिछले करीब सात-आठ वर्षों से टेंट

झज्जर। शहीदी पार्क में कटे हुए पड़े पेड़ों की टहनियां और शाखाएं। फोटो : हरिभूमि

शहर के शहीदी पार्क में हरियाली पर चलाई कुल्हाड़ी, दिनभर रही चर्चा

सौंदर्यीकरण की आड़ में काट दिए वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़, एक पेड़ मां के नाम अभियान पर उठने लगे सवाल

मामले के संज्ञान में आने के बाद जहां नप ने संबंधित एनजीओ को नोटिस जारी कर दिया है। वहीं डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने भी जांच के आदेश दे दिए है।

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जहां एक तरफ पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई योजनाएं चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक नागरिक को अपनी मां या धरती मां के नाम पर एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे है। वहीं दूसरी ओर शहर के ऐतिहासिक शहीदी पार्क में सौंदर्यीकरण के नाम पर वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ काट दिए गए है। हरियाली पर कुल्हाड़ी चलाए जाने पर पूरे शहर में रोष बना हुआ है।

वहीं एक पेड़ मां के नाम अभियान पर ही सवाल उठने लगे है। लोगों का कहना है कि एक तरफ जहां सरकार आमजन को पौधे लगाने के लिए प्रेरित कर रही है। स्कूलों में निशुल्क पौधे वितरित कर भारी भरकम राशि की जा रही है। वहीं पार्कों से हरियाली को गायब किया जा रहा है। मामले के संज्ञान में आने के बाद जहां नप ने संबंधित एनजीओ को नोटिस जारी कर दिया है। वहीं डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने भी जांच के आदेश दे दिए है।

देर रात को ही वायरल हुए वीडियों और फोटो: देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो व वीडियों से साफ दिखाई दे रहा है कि बुधवार रात को पेड़ काटकर ट्रैक्टर ट्रालियों में भर कर बाहर भिजवा दिया गया। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि पेड़ों को बेच दिया गया है। मीडिया को पता चलने पर दोपहर बाद सूखे पेड़ों को पुराने नगर परिषद कार्यालय में रखवाया गया। इससे पहले पुराना नगर परिषद कार्यालय में कुछ भी नहीं रखा था। लेकिन हरे भरे पेड़ कहा गए इसका अभी तक कोई पता नहीं चला।

झज्जर। शहीदी पार्क में कटे पड़े पेड़। फोटो : हरिभूमि

पार्षदों ने राष्ट्रपति, पीएम के नाम दी शिकायत

महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री भारत सरकार, सीएम हरियाणा सरकार, वन मंत्री, हरियाणा सरकार, उपायुक्त झज्जर, सीपी झज्जर, एसडीएम झज्जर, डीएमसी झज्जर, ईओ नगर परिषद झज्जर के नाम भेजी शिकायत में बताया गया है कि शहर के दिल्ली रोड़ स्थित ऐतिहासिक शहीदी पार्क से करीब दस से ज्यादा हरे भरे और बड़े पेड़ों को अवैध रुप से काट दिया गया। साथ ही उन पेड़ों से एकत्रित हुई लकड़ियों को काटने के बाद दो ट्रालियों में भरकर एक आरा मशीन में भेज दिया गया। दिन दहाड़े हुए इस कृत्य से जहां पर्यावरण प्रेमियों के हृदय को भारी आघात पहुंचा है। वहीं, यह स्पष्ट नहीं है कि आखिरकार किसके इशारे पर किसने इतनी बड़ी लापरवाही की है। आपसे सादर आग्रह है कि टीम के साथ मौका मुआयना करते हुए स्थिति का आंकलन किया जाए और दोषी पाए जाने व्यक्ति पर सामाजिक दृष्टि से भी कार्रवाई हो। क्योंकि, एक-एक पेड़ पर सालों तक की गई मेहनत को आखिरकार किसके लिए बर्बाद किया गया। साथ ही कुछ कटे हुए पेड़ अभी भी पार्क में ही रखे हैं, हो सकता है कि उन्हें भी खुर्द-बुर्द ना कर दिया जाए। ऐसे में उन्हें भी सुरक्षित किया जाए और प्रयास हो कि भविष्य में इस पार्क से एक भी पेड़ नहीं कटें। शिकायत पर वार्ड पार्षद जयपाल सिंह, वार्ड पार्षद किशोर सैनी, वार्ड पार्षद शशि बाला, पार्षद मंजू बाला सहित अन्य प्रबुद्धजनों के हस्ताक्षर है।

पार्क से काटे हरे-भरे पेड़ नहीं मिले नप परिसर में

पूरे मामले में खास बात यह भी रही कि शहीदी पार्क से जो हरे भरे पेड़ काटे गए। वो पुराने नगर परिषद परिसर में मिले ही नहीं। जबकि मीडिया में चरचा होने के बाद सूखे पेड़ दोपहर बाद नगर परिषद के पुराने कार्यालय में डाल दिए गए। इससे पूर्व पुराने नगर परिषद कार्यायल में सूखे पेड़ भी नहीं थे। जिसका वीडियों भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नगर परिषद के जारी किए गए पत्र का दिया जा रहा हवाला

जब पार्क में मौजूद कर्मचारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि संबंधित ठेकेदार ने पेड़ काटने की अनुमति ली गई है। लेकिन जब नगरपरिषद कार्यालय से जारी पत्र में देखा गया तो पाया कि 14 मई को नगर परिषद द्वारा पार्क में खराब हुए, सूखे पेड़ों व आंधी तूफान के कारण टूट कर गिरे पेड़ों को पार्क से हटवाया जाना है। लेकिन इस पत्र की आड़ में हरे भरे पेड़ों को भी काट दिया गया।

झज्जर। शहीदी पार्क में पेड़ काटने वाली मशीन को ठीक करता हुआ श्रमिक।

नप ने संबंधित एनजीओ को भेजा नोटिस

नप सचिव द्वारा वीरवार को जारी किए गए नोटिस में संबंधित एनजीओ से पार्क से पेड़ों को हटाने व उनका विवरण देने बारे स्पष्टीकरण मांगा गया है। पत्र में लिखा गया है कि 14 मई को भेजे गए पत्र में एनजीओ को निर्देश दिए गए थे कि बरसात के कारण गिरे व टूटे पेड़ों को पार्क से हटाया जाए। लेकिन आपकी एनजीओ द्वारा नगर परिषद के संज्ञान में लाए बिना वृक्षों को मौके से हटा दिया गया है तथा हटाए गए वृक्षों का विवरण भी नगर परिषद में नहीं दिया गया। उन्होंने दो दिन दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

झज्जर। मीडिया को पता लगने पर पुराने नगर परिषद कार्यालय में रखे सूखे हुए पेड़।

डीसी ने दिए जांच के आदेश

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है, विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अगर इसमें कुछ गलत हुआ है तो जांच डीएमसी से करवा दी जाएगी।

रिवर्ट करने की बजाय रिजेक्ट या एक्सेप्ट करो

- प्रॉपर्टी आईडी को लेकर ऑनलाइन पोर्टल पर पेंडिंग आवेदनों पर निदेशालय नाराज

बहादुरगढ़। नगर परिषद द्वारा इस समय प्रॉपर्टी आईडी को लेकर किए गए आवेदनों को डिसाइड करने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कई आवेदन तो 2 से 3 साल पुराने हैं, लेकिन इन्हें एक्सेप्ट या रिजेक्ट करने की बजाय रिवर्ट करके पेंडिंग छोड़ दिया गया था। शहर की हजारों प्रॉपर्टी आईडी में खामियों को लेकर लोग अतीत में नाराजगी जता चुके हैं। इन लोगों की शिकायत है कि उनका नाम, मकान नंबर तो किसी के मकान का साइज गलत लिखा गया है। इसे लेकर समय-समय पर स्पेशल कैंप लगाने के अलावा नगर परिषद ने विशेष अभियान भी चलाया है। अब हर वार्ड में कैंप लगाकर सत्यापन का काम किया जा रहा है। इन प्रयासों के चलते ही आईडी की गलतियां सुधारने में नप संजीदा दिख रही है।

हालांकि अतीत में करीब अढ़ाई हजार फाइलों को डिसाइड करने की बजाय गलत तरीके से ऑनलाइन रिवर्ट करके छोड़ दिया गया था। इस पर नगर निकाय विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए तीन दिन में ऐसे सभी ऑनलाइन आवेदनों को एक्सेप्ट या रिजेक्ट करने की हिदायत दी है। इनका निपटान करने के लिए चेकर व मेकर की संख्या बढ़ाकर दिनरात काम किया जा रहा है। रिवर्ट फाइलों की रैंडम जांच में कर्मचारियों की लापरवाही साफ तौर पर सामने आना तय है। कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल के अनुसार प्रॉपर्टी आईडी की गलतियों को सुधारने के लिए हर वार्ड में जाकर सत्यापन कैंप लगाए जा रहे हैं। नप कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनका काम प्राथमिकता से लोगों की प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित शिकायतों का निपटारा करना है।

झज्जर। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

प्रवासी खेत मजदूर ने फंदा लगाकर दी जान

झज्जर। शहर के कच्चा सुर्खपुर मार्ग पर खेतों में एक प्रवासी युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान यूपी के बांदा जिले के रक्सा गांव निवासी धर्मपाल पुत्र बड़काय के तौर पर हुई है। धर्मपाल तीन-चार दिन पहले ही यहां काम करने वाले अपने चाचा के पास आया था। वह खेत मजदूर था। उसने एक-दो दिन यहां खेतों में काम भी किया। वीरवार को उसका शव सुर्खपुर मार्ग पर एक पेड़ पर लटका मिला। मृतक के चाचा बबलेश ने बताया कि वे यहां हर सीजन में काम करने के लिए आते हैं। धर्मपाल पहले पंजाब में धान की मंडियों में काम करता था और तीन-चार दिन पहले ही यहां आया था। वह शाम को अपने गांव लौटने की बात कह कर उनके यहां से निकला था। मामले के जांच अधिकारी पवन ने बताया कि इस संबंध में परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया है।

सरकारी विभागों से सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाने का आह्वान

सरकारी विभागों पर 14 करोड़ 68 लाख रुपये के बिजली बिल बकाया

- 21 करोड़ 22 लाख 36 हजार रुपये के पेंडिंग बिल, यूएचबीवीएन ने 6 करोड़ 54 लाख 22 हजार रुपये किए एडजस्ट

रवींद्र राठी ⏭बहादुरगढ़

बकाया बिल जमा नहीं करने पर आम उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन काटने वाली उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम पर विभिन्न सरकारी विभागों का 14 करोड़ 68 लाख रुपए बकाया है। इससे साफ है कि अनेक सरकारी विभागों द्वारा बिना बिल दिए ही महीनों-सालों से बिजली इस्तेमाल की जा रही है। सबसे ज्यादा बकाया नगर परिषद और जलापूर्ति विभाग पर है। हालांकि अब निगम यह रकम वसूलने के लिए सरकारी विभागों से सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाने का आह्वान कर रहा है।

दरअसल, बिजली निगम के लिए सरकारी विभागों से बकाया बिल की वसूली किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। यह बात अलग है कि निगम के अधिकारी इन विभागों को पत्र लिखने के अलावा कोई और ठोस कदम उठा पाने में खुद को असहज महसूस करते हैं। सवाल इसीलिए भी खड़ा होता है कि वसूली को लेकर सख्ती केवल आम विद्युत उपभोक्ताओं पर दिखती है। बहादुरगढ़ क्षेत्र के सरकारी विभागों पर यूएचबीवीएन की 21 करोड़ 22 लाख 36 हजार रुपए की लेनदारी बकाया है। लेकिन निगम की इन विभागों की तरफ 6 करोड़ 54 लाख 22 हजार रुपए देनदारी एडजस्ट की गई है। इस तरह 14 करोड़ 68 लाख रुपए की लेनदारी बकाया है। आमजन को तो बकाया भुगतान पर डिफाल्टर घोषित कर बिजली निगम कार्रवाई कर लेती हैं और वसूली भी कर लेती हैं, लेकिन सरकार के खुद के विभाग बिजली का बिल नहीं भर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती है कि इनमें से ज्यादातर विभाग जनता से जुड़े हुए हैं और इनकी बिजली काटने का मतलब है, जनता का परेशान होना। इसीलिए बिजली निगम इनके कनेक्शन काटती नहीं है और ये विभाग पैसा जमा कराते नहीं हैं।

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा स्थित मुख्य बिजली घर। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद पर 5.62 करोड़ बकाया

यूएचबीवीएन के सबसे अधिक नगर परिषद पर 5 करोड़ 62 लाख 99 हजार रुपए बकाया है। हालांकि बिजली बिल की मूल राशि 9 करोड़ 47 लाख रुपए थी, लेकिन 3 करोड़ 4 लाख रुपए पालिका टैक्स के एडजस्ट करने के बाद 5.62 करोड़ रुपए चुकाने हैं।

पब्लिक हेल्थ पर 5.03 करोड़

जलापूर्ति अभियांत्रिकी विभाग पर 5 करोड़ 3 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। हालांकि मूल रूप से यह बकाया 7 करोड़ 5 लाख रुपए है। लेकिन 2 करोड़ 2 लाख रुपए की लेनदारी यूएचबीवीएन द्वारा एडजस्ट की गई है।

हशविप्रा पर एक करोड़ 29 लाख

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण पर एक करोड़ 29 लाख रुपए की देनदारी थी, 50 लाख 11 हजार रुपए एडजस्ट करने के बाद यह राशि 78 लाख 94 हजार रुपए बची है। एक अन्य सरकारी संस्था को एक करोड़ 64 लाख रुपए के बिजली बिल चुकाने हैं।

सिंचाई विभाग पर 24 लाख

सिंचाई विभाग को 27 लाख रुपए के बिजली बिल भरने हैं, लेकिन 3 लाख रुपए एडजस्ट करने के बाद यह रकम 24 लाख रुपए बचती है। शिक्षा विभाग पर 19 लाख 9 हजार रुपए बकाया हैं। पंचायत पर 8 लाख रुपए की लेनदारी शेष है।

बकाया बिलों की राशि जमा करवाने का अनुरोध

मंडल के विभिन्न सरकारी विभागों पर 14 करोड़ 68 लाख 14 हजार रुपये की लेनदारी बकाया है। बार-बार रिमाइंडर लिखकर इन विभागों को बिजली बिलों का भुगतान करने का आग्रह किया जाता है। अब इन सभी सरकारी विभागों से सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाने और बकाया बिलों की राशि जमा करवाने का अनुरोध किया गया है।

- सचिन दहिया, एक्सईएन, यूएचबीवीएन

दमकल पर 42 लाख बकाया

अग्निशमन विभाग पर 42 लाख रुपए की देनदारी है। निगम से जुड़ी संस्थाओं पर 77 लाख रुपए बकाया है और 11 लाख एडजस्ट करने के बाद 66 लाख रुपए शेष है। अब यूएचबीवीएन ने सभी विभागों से सरचार्ज माफी योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

झज्जर। पोस्टमार्टम के लिए शव को शवगृह में ले जाते हुए परिजन।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

झज्जर। रोहतक मार्ग स्थित दुजाना फ्लाईओवर पर हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान क्षेत्र के मदाना गांव निवासी करीब चालीस वर्षीय जगमेंद्र पुत्र सज्जन के तौर पर हुई है। जगमेंद्र किसी कार्य से स्कूटी पर झज्जर आया था। जब वह वापिस गांव लौट रहा था तो दुजाना गांव के फ्लाईओवर पर उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद गंभीर रूप से घायल हुए जगमेंद्र को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी विनोद ने बताया कि जगमेंद्र मेहनत मजदूरी का काम करता था। मृतक के भाई धर्मेंद्र व अनूप के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

रोचक / शिखर चंद जैन

वन्य जीवों के लिए अनूठे ग्रीन ब्रिज

बच्चो, ब्रिज या फ्लाईओवर्स का निर्माण हमारे यातायात को सुगम बनाने के लिए किया जाता है। सड़क या रेलवे लाइन को पार करने के लिए भी फुटओवर ब्रिज बनाए जाते हैं। सिर्फ इंसान के लिए ही नहीं, कई देशों में इस तरह के ब्रिज वन्य जीवों के लिए भी बनाए गए हैं ताकि वे वाहनों से टकरा कर चोटिल ना हों, सुरक्षित रहें। जानो, इन अनूठे ब्रिजेस के बारे में।

क्रैब ब्रिज, क्रिसमस आइलैंड नेशनल पार्क ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के क्रिसमस आइलैंड में हर साल बहुत बड़ी संख्या में रेड क्रैब समुद्र की तरफ माइग्रेशन के लिए निकल पड़ते हैं। रास्ते में कई बार वाहनों द्वारा कुचल कर सैकड़ों क्रैब्स यानी केकड़े अपनी जान गंवा देते हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखकर वहां एक 16 फीट ऊंचा पुल बना दिया गया। अब व्यस्त सड़क के ऊपर से बिना किसी जोखिम के आसानी से ये क्रैब्स निकल जाते हैं। इतना ही नहीं, यहां 31 स्पेशल क्रैब अंडरपास और 65 मील लंबाई के प्लास्टिक बैरियर भी लगा दिए गए हैं। ताकि केकड़े इधर-उधर ना भटक कर पैसेज की तरफ से ही आगे बढ़ें और सुरक्षित रहें। *

नेचरबर्ग जैंडरीज क्रैलू नीदरलैंड

नीदरलैंड का नेचरबर्ग जैंडरीज क्रैलू दुनिया में सबसे लंबी वन्य जीव क्रॉसिंग है। बालू से बना हुआ यह कुदरती पुल, 2625 फीट लंबा और 164 फुट चौड़ा है। यह ब्रिज कई सड़कों, रेलवे लाइनों और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ऊपर से गुजरता है। रोजाना इस ब्रिज का उपयोग हिरण, जंगली सुअरों सहित कई अन्य जीव-जंतु करते हैं। इस ब्रिज की सहायता से ये जंगलों तक बड़े आराम से पहुंच जाते हैं। नीदरलैंड में 600 से ज्यादा ऐसे ईकोडक्ट बनाए गए हैं। *

वाइल्डलाइफ ओवरपास बैनफ नेशनल पार्क कनाडा

कनाडा के अल्बर्टा में स्थित बैनफ नेशनल पार्क में हिरणों की कई प्रजातियां, बारासिंघा, भूरे भालू और अन्य कई छोटे-बड़े वन्य जंतु पाए जाते हैं। जब ये वन्य जंतु वहां के हाईवे को पार करके दूसरी तरफ जाते हैं, तब तेज गति से गुजरते वाहनों से इनके टकरा कर घायल होने का खतरा रहता है। इस खतरे को ध्यान में रखकर वहां के जागरूक नागरिकों और वन्यजीव अधिकारियों ने 1996 में ट्रांस कनाडा हाईवे पर 6 वन्य जीव फ्लाईओवर ब्रिज और 38 अंडर पासेस का निर्माण करवाया। इन पुलों के निर्माण के बाद सड़क दुर्घटना में मरने वाले जानवरों की संख्या में काफी कमी आई है। *

नट्टी नैरो ब्रिज, लॉन्ग व्यू अमेरिका

अमेरिका के वाशिंगटन के लॉन्ग व्यू में ओलंपिया वे पर बना यह एक पतला-सा एनिमल क्रॉसिंग ब्रिज है, जो मुख्य रूप से गिलहरियों के लिए बनाया गया है। इसकी चौड़ाई इतनी ही है कि गिलहरी जैसे छोटे जंतु इस पर मजे से चल सकें। अकसर गिलहरियां रोड क्रॉस करते हुए गाड़ियों के नीचे दब जाती थीं। 1963 में एक स्थानीय बिल्डर एमोस पीटर्स ने गिलहरियों को ट्रैफिक भरी सड़क से दूर रखने के उद्देश्य से इस नट्टी नैरो ब्रिज को बनवाया था। इसके बाद वाशिंगटन में जगह-जगह इस तरह के कई पुल बनाए गए। *

ए 556 ग्रीन ब्रिज यूके

यूनाइटेड किंगडम (यूके) में वन्य जीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए बनाए गए पुलों को ग्रीन ब्रिज कहते हैं। इंग्लैंड के चेशायर में कई छोटे-बड़े जंतु रहते हैं। यहां 2018 में नूट्सफोर्ड से बाऊडॉन बाईपास तक एक ग्रीन ब्रिज बनाया गया। इस ग्रीन ब्रिज का उपयोग वन्य जीवों के साथ यहां निवास करने वाले किसान और मजदूर भी करते हैं। *

ईकोलिंक सिंगापुर

सिंगापुर में बड़ी संख्या में वन्य जीव पाए जाते हैं। यहां सिटी सेंटर के बाहर स्थित रेनफॉरेस्ट नेचर रिजर्व, सड़क निर्माण के कारण दो हिस्सों में बंट गया था। इससे वन्य जीवों को विचरण करने में बहुत परेशानी होती थी। 2013 में इन्हें ईकोलिंक ओवरपास के माध्यम से जोड़ दिया गया। यह ईकोलिंक 8 लेन का है। दक्षिण पूर्वी एशिया में अपनी तरह का यह पहला ओवर पास है। *

ऐतिहासिक धरोहर / रजनी अरोड़ा

दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार

बच्चो, अगर तुमसे पूछा जाए कि दुनिया की सबसे लंबी दीवार कौन-सी है, कहां है? तो झट से तुम्हारा जवाब होगा-द ग्रेट वाल ऑफ चाइना। लेकिन क्या तुम्हें पता है चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार कहां स्थित है, कौन-सी है? यह दीवार अपने देश भारत में है। राजस्थान राज्य में स्थित कुंभलगढ़ किले की दीवारों को दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार का दर्जा प्राप्त है।

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में है शामिल: राजस्थान के कुंभलगढ़ किले की दीवार 36 किलोमीटर लंबी है। इस दीवार को यूनेस्को ने दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार घोषित किया है। इसके अलावा यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज की लिस्ट में भी इस दीवार को शामिल किया गया है।

ऐतिहासिक महत्व: कुंभलगढ़ किले का निर्माण महाराणा कुंभा ने 15वीं शताब्दी में करवाया था। तुमने इतिहास की किताबों में शूरवीर नायक महाराणा प्रताप के बारे में पढ़ा होगा। महाराणा उदय सिंह के पुत्र महाराणा प्रताप का जन्म इसी कुंभलगढ़ के किले में हुआ था। यह किला कुंभलगढ़ की संकटकालीन राजधानी रहा है। मेवाड़ पर जब भी कोई बाहरी आक्रमण होता था, मेवाड़ का राज परिवार इसी किले में सुरक्षित रहता था। पन्ना धाय ने इसी किले में छिप कर महाराणा प्रताप के पिता उदय सिंह का पालन-पोषण किया था। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप भी काफी समय तक इसी किले में रहे थे।

किले की विशेषताएं: उत्तर-पश्चिमी भारत की अरावली माउंटेन रेंज पर बना कुंभलगढ़ किला समुद्र तल से करीब 1,100 मीटर (3,600 फुट) ऊंचाई पर बना है। इसमें करीब 350 से ज्यादा प्राचीन जैन और हिंदू मंदिर हैं। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ही नहीं, अपने वास्तुशिल्प के लिहाज से भी यह किला बेजोड़ है। कई पहाड़ियों और घाटियों को मिलाकर बना यह किला बहुत ही अनोखा और मजबूत है। इस किले के ऊंचे स्थानों पर महल, मंदिर और घर बनाए गए हैं। समतल भूमि का उपयोग खेती के लिए और ढलान वाली जगहों पर जलाशय बनाए गए हैं। खुद महाराणा कुंभा ने इस किले का डिजाइन तैयार किया था। माना जाता है कि महाराणा कुंभा मजदूरों को प्रतिदिन करीब 50 किलो घी और 100 किलो रुई देते थे ताकि रोशनी जलाकर किले का काम रात को भी किया जा सके। इस किले के निर्माण में लगभग 15 वर्ष का समय लगा।

कुंभलगढ़ किले की दीवार अरावली की 13 पहाड़ियों तक फैली है, जो 36 किलोमीटर लंबी और 15 फुट चौड़ी है। इसमें 7 विशाल दरवाजे और वॉच-टॉवर हैं। यह दीवार इतनी चौड़ी है कि इस पर एक साथ दस घोड़े आसानी से दौड़ सकते हैं, मजबूत इतनी है कि कई आक्रमणकारी इसे तोड़ कर लांघ नहीं पाए। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

रोमांचक बाल-उपन्यास

पंजाबी भाषा में लिखे और पुरस्कृत 'पताल दे गिठमुठिए' उपन्यास का हिंदी अनुवाद 'पाताल के बौने' हाल में छपकर आया है। इसकी कहानी 'रसूलपुर' गांव से शुरू होती है। जहां पानी की कमी है और गांव वाले पानी की कमी दूर करने के लिए कुआं खोदते हैं। बच्चों के लिए भी यह काम कौतूहल जगाने वाला है। तभी गांव का एक आदमी गांव वालों को जमीन के नीचे रहने वाले बौनों को देखे जाने का एक मनगढ़ंत किस्सा सुनाता है। इसे सुनकर गांव का एक बच्चा निक्कू एक शाम उस नए बनते कुएं में लगी हुई सीढ़ी से बौनों को देखने नीचे उतर जाता है। तभी अचानक उसकी भेंट सचमुच एक छोटे से जीव से हो जाती है। अब निक्कू हैरान भी है और भौंचक भी कि वह अब क्या करे? लेकिन वह हिम्मत से उस नए जीव के साथ आगे बढ़ता जाता है। जमीन के नीचे एक अलग दुनिया दिखती है। अब निक्कू वहां किन मुसीबतों में पड़ता है? और उनसे फिर कैसे किसी जांबाज की तरह बच निकलता है? यह पूरी कहानी तुम इस बौनों के रोमांचकारी दुनिया में ले जाने वाली किताब में पढ़ सकते हो। *

किताब: पाताल के बौने (पंजाबी बाल-उपन्यास), **लेखक:** जसबीर भुल्लर, **अनुवाद:** जसबीर कौर, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिया: आंखों के भाई को क्या कहते हैं?
सिया: मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
रिया: आई'ब्रो'। -कोमल, हिसार

मोनू (समोसे वाले से): भैयाजी, 10 समोसे देना।
समोसे वाला: पैक करके देना है?
मोनू: नहीं, मैं पेन ड्राइव लाया हूं। उसमें समोसे नाम का फोल्डर बनाओ और डाल दो। -अनिकेत, सरगुजा

जीके क्विज-160

1. हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय कौन बने हैं?
2. वूमेंस वन-डे वर्ल्ड कप चैंपियनशिप 2025 किन दो देशों में आयोजित किया जाएगा?
3. दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश कौन-सा है?
4. सत्यशोधक समाज की स्थापना किसने की थी?
5. इडुक्की वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
6. पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
7. भारत के किस प्रदेश को पहले 'नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी' के नाम से जाना जाता था?
8. भारत रत्न से सम्मानित बिस्मिल्लाह खान का संबंध किस वाद्य यंत्र से था?
9. किस भारतीय खिलाड़ी को 'हॉकी का जादूगर' के नाम से भी जाना जाता है?
10. आंवला में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-160 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-159 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2.साइप्रस, 3.बंडारू दत्तात्रेय, 4.मध्य प्रदेश, 5.लैक्टोमीटर, 6.साहित्य, 7. 11 जुलाई, 8.महात्मा गांधी, 9.जगन्नाथ मंदिर, 10.हिंद महासागर

जीके क्विज-159 का सही उत्तर देने वाले : सौम्या-जांजगीर, स्वप्निल-जांजगीर, सौरभ-बिलासपुर, कबीर-हिसार, नीटू-रायगढ़, राम-सीतापुर, गोविंद-रायपुर, तान्या-भोपाल, कमल-महासमुंद, राम-राजनांदगांव, हर्ष-बालोद

कहानी
क्षमा शर्मा

अजीब बच्चा था अंतरिक्ष, जहां बच्चे विशालकाय डायनासोर, सांप-बिच्छू और छिपकलियों से डरते हैं, वहीं अंतरिक्ष मजे से इनके खिलौनों से खेलता था। लेकिन नन्हा अंतरिक्ष जब स्कूल जाने लगा तो उसके दादा जी ने खतरनाक जंतुओं वाले खिलौने से दूर रहने को कहा। ऐसा उन्होंने क्यों कहा...?

अंतरिक्ष का स्कूल

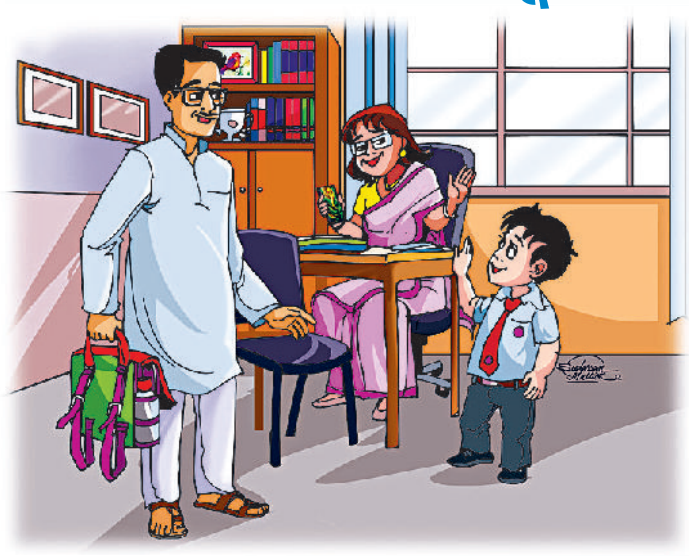

अंतरिक्ष ने स्कूल जाना शुरू किया था। जब भी उसकी मम्मी उठातीं, वह खूब-रोता, 'नहीं जाना स्कूल, नहीं जाना है..', कहकर बिस्तर में लेटे रहने की कोशिश करता। मम्मी उसे गोद में उठाकर लातीं, मुंह धुलवातीं, ब्रश करातीं, नहलातीं। स्कूल ड्रेस पहनातीं। थोड़ी ही देर में वह उसका नाश्ता टेबल पर लगा देतीं। कहतीं, 'मेरा राजा बेटा तो बहुत अच्छा है। वह तो बिल्कुल भी जिद नहीं करता।' तभी उसकी देखभाल करने वाली डेल्सी आंटी उसके लिए गरम दूध ले आतीं। अंतरिक्ष दूध पीने में भी बहुत मान-मनौव्वल कराता। जब डेल्सी उसे दूध पिलाने की कोशिश करतीं, तो वह जिद करता, 'नहीं मम्मी से..।' और जब मम्मी उसे दूध पिलाने की कोशिश करतीं तो वह डेल्सी को बुलाता। कभी-कभी मम्मी नाराज होतीं, कहतीं, 'अंतरिक्ष, क्यों सबेरे-सबेरे परेशान करके टाइम खराब करते हो।' लेकिन अंतरिक्ष वही करता, जो उसके मन में होता। दूध भी ऐसे पीता कि मुंह पर दोनों तरफ दूध की सफेद मूंछें बन जातीं। यह देख पापा कहते, 'अरे, हमारा बेटू तो दादा जी जैसा बन गया।'

अंतरिक्ष की दादा जी जैसी सफेद मूंछें! वह दौड़ कर शीशे में जाकर देखता और हंसता। इस तरह उसका रोना रुक जाता। मम्मी उसके बस्ते में लंच बॉक्स और जरूरी चीजें रखतीं। पापा उसके जूते पॉलिश करते, मम्मी उसे पहनातीं। फिर पापा बाहर जाकर गाड़ी निकालते और हॉर्न बजाते। इसका मतलब होता- अंतरिक्ष, जल्दी से बाहर आ जाओ। टाइम हो गया। वह दौड़ने को होता कि मम्मी बाहर तक उसे नाश्ता खिलाती जातीं। उन्हें पता था कि वह नाश्ता करने में भी, दूध पीने की तरह कितने नखरे दिखाता है, मौका मिलते ही छोड़कर भाग जाता है।

अंतरिक्ष को डायनासोर, सांप, बिच्छू और छिपकलियां बहुत पसंद थीं। उसके बर्थ-डे पर उसके दोस्तों ने चिड़िया से लेकर रियल डॉगी के साइज के बराबर तक के डायनासोर वाले खिलौने दिए थे। हालत यह थी कि अंतरिक्ष की मम्मी छिपकली को देखकर डर से कांपने लगती थीं, और अंतरिक्ष था कि इन खिलौनों को अपने साथ लेकर सोता। स्कूल भी अपने इन्हीं खिलौनों में से किसी एक को साथ ले जाता। पूरे स्कूल में वह डायनासोर वाले अंतरिक्ष के नाम से मशहूर था। उसकी टीचर्स और प्रिंसिपल भी इस बारे में जानती थीं।

आज सवेरे जब अंतरिक्ष पापा के साथ स्कूल पहुंचा, तो उसकी सभी टीचर्स बाहर ही खड़ी थीं। हर रोज ऐसा ही होता था। टीचर्स सवेरे बाहर आकर बच्चों का स्वागत करतीं, हाल-चाल पूछतीं। उनसे हंसी-मजाक करतीं। अंतरिक्ष पापा के साथ आगे बढ़ा था कि प्रिंसिपल मैम ने उसे पुकारा, 'अंतरिक्ष, जरा रुको।' अंतरिक्ष और पापा रुक गए। प्रिंसिपल मैम उसके पास आईं और बोलीं, 'अंतरिक्ष, जरा मेरे साथ तो आओ।' कहती हुई वह अपने कमरे की तरफ बढ़ीं। अंतरिक्ष भी पापा के साथ उनके पीछे आया। वह कुर्सी पर बैठ गईं। फिर अंतरिक्ष को गोद में लेकर अपने मोबाइल पर कुछ पिक्चर्स दिखाने लगीं। पेड़ों की, फूलों की, झरने की, नाव की। साथ में बताती भी जा रही थीं, 'पता है कल मैं अपनी साइकिल से दूर जंगल में सैर करने गई थी। यह देखो सारे पेड़ों, फूलों और तितलियों के पिक्चर्स वहीं के हैं। और तुम्हारा बर्थ-डे गिफ्ट भी है।' कहते हुए मैम ने एक पिक्चर को एनलार्ज कर दिया। हरे रंग का बड़ा-सा पेड़ और उसके नीचे फन उठाए एक काला नाग दिखा। मैम ने बताया, 'कल जब मैं जा रही थी, तो अचानक मुझे यह सांप दिखा। मैंने फौरन तुम्हारे लिए इसका फोटो खींच लिया। पसंद आया बर्थ-डे गिफ्ट।'

यह सुनकर अंतरिक्ष और पापा दोनों मुस्कराए तो मैम आगे बोलीं, 'मैं तुम्हारे बर्थ-डे पर नहीं आ पाई थी न, अब इस फोटो को मैं तुम्हारी मम्मी को व्हाट्सएप मैसेज कर दूंगी।' फिर प्रिंसिपल मैम पापा से बोलीं, 'ऐसा बच्चा मैंने पहली बार देखा है, जो सांप, छिपकलियों और अन्य रेप्टाइल्स को इतना पसंद करता है। वरना तो बच्चे इनसे बहुत डरते हैं।'

पापा ने कहा, 'हां मैम, लेकिन अब हम ऐसे खिलौनों से इसे दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे पापा मतलब इसके दादा जी, कहते हैं कि कहीं ऐसा न हो कि कभी रियल सांप या छिपकली को खिलौना समझकर पकड़ने दौड़े। इसलिए इन चीजों से इसका ध्यान हटाना जरूरी है।'

'अरे हां, यह बात तो मैंने सोची ही नहीं। चलिए, मैं भी इस सांप की पिक्चर इसकी मम्मी को व्हाट्सएप नहीं करूंगी। ओके थैंक्स।' मैम तुरंत बोलीं।

अंतरिक्ष, पापा को देखकर मुस्कराया और जोर से बोला, 'थैंक्यू मैम।' फिर वह पापा के साथ अपनी क्लास की ओर बढ़ गया। रास्ते में ढेर सारी तितलियां उसके पास से गुजरीं। उसने उन्हें पकड़ने की कोशिश नहीं की। उसे याद आया, दादी मना करती हैं न। कहती हैं, 'मर जाएंगी बेचारी!' *

कविता
शादाब आलम

बढ़िया आम

पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
हंसते-हंसते कहे चकोरी
ये लो बीस किलो की बोरी
दफ्तर से निबटा कर अपने सारे काम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
मुझको केक नहीं है खाना
चॉकलेट बिल्कुल मत लाना
मत लाना बर्फी, रसगुल्ला, कालाजाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
एक गाय अकसर आती है
आम शौक से वो खाती है
मैंने जोड़ा हिस्से में उसका भी नाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!
आमों का मौसम है जब तक
कम खाऊंगी खाना तब तक
पेट भरूंगी आमों से ही सुबहो-शाम!
पापा, लाना बड़े-बड़े से बढ़िया आम!

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पेपर-क्राफ्ट बना रहे बच्चे के एक जैसे दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें ये सारे अंतर खोजने हैं, तो देर किस बात की, फटाफट तीन मिनट में सारे अंतर खोजकर बताओ।

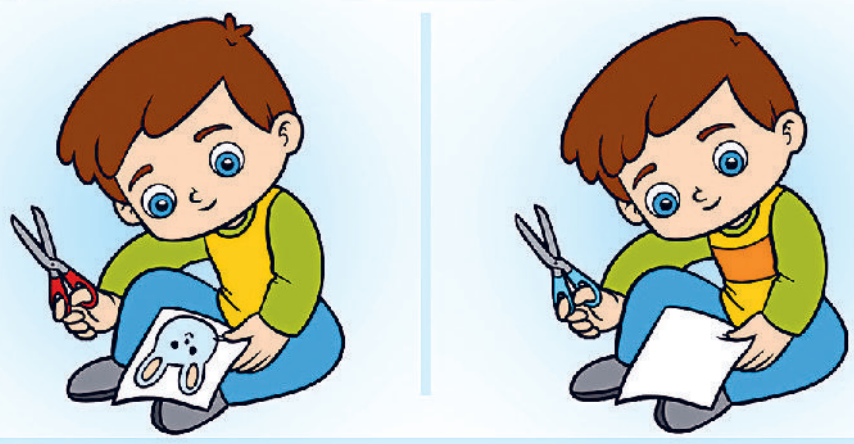

उत्तर : 1. लड़के की कमीज के कॉलर का रंग बदला है। 2. लड़के के हाथ में कैंची छोटी है। 3. लड़के की स्वेटर का रंग अलग है। [illegible]

रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में एक खरगोश है, जिसे गाजर खाना है। लेकिन उसे गाजर के साथ और भी चीजें रखी दिखाई दे रही हैं। खरगोश को समझ में नहीं आ रहा है वह किस रास्ते से जाए कि उसे गाजर खाने को मिल जाए। खरगोश को गाजर तक पहुंचने में मदद तो करो।

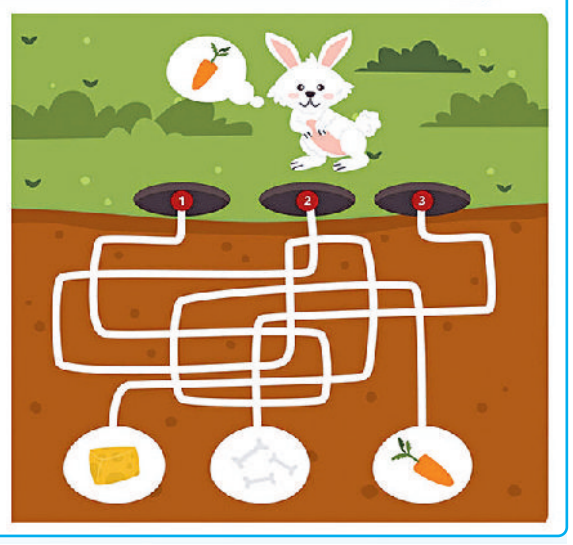

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत वर्ष एक विवाहिता की शिकायत मिलने के बाद उसकी और उसके ससुराल पक्ष के लोगों की कई बार काउंसलिंग कराई। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 24 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

धारूहेड़ा चुंगी से बाइक चोरी का केस दर्ज

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने धारूहेड़ा चुंगी से एक बाइक चोरी होने का केस दर्ज किया है। पुलिस शिकायत में महेंद्रगढ़ के कपूरी निवासी शमशेर ने बताया कि वह किसी काम से धारूहेड़ा चुंगी पर आया था। बाइक खड़ी करने के बाद वह अपने काम में व्यस्त हो गया। मौका पाक चोर उसकी बाइक चोरी कर ले गए। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लगा।

मारपीट और धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

कोसली। गुजरीवास में मारपीट और धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ति पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने 19 जून को केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में गांव के दारासिंह व हाकिम कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दंताली और लोहे का पाइप बरामद किया है।

घर में घुसकर मारपीट करने का आरोपी काबू

धारूहेड़ा। घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पीड़ति पक्ष की शिकायत पर 1 जुलाई को बड़वान निवासी विनेश कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था।

महिला से दुर्व्यवहार का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार 2 जुलाई को फनुका निवासी नवीन के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने नवीन पर गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

वीरवार को जिला प्रशासन की टीम ने की कार्रवाई

मांगावास गांव में गली के मुख्य रास्ते पर किया गया अतिक्रमण हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

क्षेत्र के गांव मांगावास में जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों द्वारा मुख्य रास्ते पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। कई ग्रामीणों द्वारा पिछले कई वर्षों से गली के मुख्य रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा था। प्रशासन द्वारा जेसीबी की सहायता से रास्ते पर किया गया अवैध कब्जा हटाया गया।

इस संबंध में खंड पंचायत की ओर से भी संबंधित ग्रामीणों को नोटिस भेजे गए थे लेकिन उन्होंने कब्जे नहीं हटाए। इस कब्जा कार्रवाई में बेरी बीडीपीओ राजराम को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। जब कब्जा कार्रवाई टीम जेसीबी के साथ गांव में पहुंची तो कुछ ग्रामीणों ने स्वयं ही अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया।

इस गली के रास्ते पर ग्रामीणों द्वारा पक्के मकान बनाकर भी कब्जा किया हुआ था। टीम ने अवैध निर्माण पर पंजा चलाकर सभी अवैध कब्जों को गिराया। इस दौरान एसईपीओ सत्यवान, गिरदावर सुरेंद्र, पटवारी सुनील, ग्राम सचिव सुनील, शक्ति व पुलिस फोर्स मौजूद रही।

झज्जर। गली के मुख्य रास्ते पर किया अवैध कब्जा हटाते हुए जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

दो मंजिला मकान बनाने वाले व्यक्ति को दिय समय

बेरी के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी राजाराम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशनुसार मांगावास गांव में अवैध कब्जा करने वाले लोगों पर कार्रवाही की गई है। कार्रवाई में छह ग्रामीणों द्वारा गली के मेन रास्ते पर अवैध कब्जे किए हुए थे। उन लोगों को कई बार खंड पंचायत की तरफ से नोटिस भी भेजे जा चुके थे। एक ग्रामीण का दो मंजिल मकान था और उसने करीब 3 फुट जमीन पर कब्जा किया हुआ था। जिसने समय मांगा है कि वह अपने आप कब्जा हटा लेगा। शेष सभी अवैध कब्जों को हटवा दिया गया है।

बहादुरगढ़। वीरवार को अतिक्रमण हटवाते पुलिस व नप अधिकारी।

नगर परिषद और पुलिस ने हटवाया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

नगर परिषद और पुलिस की संयुक्त टीम ने वीरवार को शहर के पटेल नगर और आसपास के इलाके में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान एक महिला के घायल होने की बात सामने आई है। महिला ने सरकारी अस्पताल में एमएलआर भी कटवाई है।

दरअसल, नगर परिषद व पुलिस द्वारा पिछले कुछ समय से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत अधिकारियों की अगुवाई में संयुक्त टीम पटेल नगर में गई। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण हटाए गए। साथ ही लोगों को भविष्य में भी सड़क पर कब्जा नहीं करने की चेतावनी दी गई। इस दौरान एक दीवार/निर्माण हटाते वक्त वहां मौजूद एक महिला के हाथ में चोट लगने की बात सामने आई है। इसके बाद उसने अस्पताल में जाकर एमएलआर कटवाई।

दुकानदारों से नकदी व फोन लेकर चंपत

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

■ पीड़ित दुकानदारों ने दी पुलिस अधिकारियों को शिकायत

शहर में कई मोबाइल विक्रेताओं के साथ धोखाधड़ी की वारदात हो गई है। एक युवक उनसे नकदी व काफी मोबाइल लेकर गायब हो गया है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। रोहतक-दिल्ली रोड पर मोबाइल शॉप चलाने वाले एक युवक पर ही ये आरोप हैं। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है।

अधिकारियों को लिखी गई शिकायत में धर्मपुरा के निवासी असीम गांधी सहित लगभग दस दुकानदारों ने हस्ताक्षर किए हैं। असीम गांधी का कहना है कि श्यामजी कांप्लेक्स में मेरा आफिस है। मैं बहादुरगढ़ में सैमसंग कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर हूं।

महावीर मंदिर वाली गली के निवासी मोहित ने यहां रोहतक-दिल्ली रोड पर स्टैंडर्ड स्वीट्स के निकट मोबाइल की दुकान कर रखी थी। उसका मेरे सहित कई अन्य दुकानदारों के साथ सामान लेनदेन का व्यवहार था। वह हम दुकानदारों से मोबाइल तथा रुपये लेकर गायब हो गया है। गत 26 जून से मोहित व उसका परिवार गायब है। उससे संपर्क भी नहीं हो पा रहा। काफी प्रयास के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका है। हमें काफी नुकसान हुआ है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। बताया जा रहा है कि आरोपी इन दुकानदारों के अलावा, अन्य लोगों से भी रुपये लेकर चंपत हुआ है। मामले की असल सच्चाई जांच के बाद सामने आ सकेगी।

गरीब बेटी की शादी में किया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

सार्थक सेवा समिति ने एक बार फिर गरीब एवं जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह में सहयोग किया है। सूचना मिलने पर समिति सदस्य हसनगढ़ गांव में एक गरीब एवं जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह में सहयोग करने पहुंच। उन्होंने एक सिलाई मशीन, एक मिक्सर-ग्राइंडर, कुल 31 सूट साड़ी और 11 हजार कन्यादान स्वरूप भेंट किया। समिति अध्यक्ष एनएस कपूर ने बताया कि सार्थक परिवार हर जरूरतमंद की यथासंभव मदद जरूर करता है।

बहादुरगढ़। हसनगढ़ में कन्यादान करने पहुंचे समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मांडोठी में होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

गांव मांडोठी के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छारा की मुस्कान दलाल फाउंडेशन ने होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया। फाउंडेशन अध्यक्ष मास्टर प्रदीप दलाल, दलाल खाप 84 के प्रवक्ता कैप्टन मान सिंह दलाल, सूबेदार मेजर राकेश दलाल और मास्टर अनिल दलाल ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में दीक्षा पुत्री यशपाल, अंकुश पुत्र विक्रम, मनीषा पुत्री कृष्ण, मुस्कान पुत्री देवेंद्र, हिमांशी पुत्री नसीब, पायल पुत्री शमशेर को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन व नेतृत्व क्षमता के लिए ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। नवनियुक्त लेफ्टिनेंट सूर्यकांत दलाल को भी सम्मानित किया गया। मास्टर प्रदीप छारा ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को सही दिशा और मंच मिले तो वे देश-दुनिया में नाम रोशन कर सकती हैं। सूबेदार मेजर राकेश दलाल ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और समर्पण से विद्यार्थी को मंजिल तक पहुंच सकते हैं। पंच अनिल दलाल ने कहा कि पंचायत स्तर पर होनहार विद्यार्थियों को हर संभव सहयोग देंगे। कैप्टन मान सिंह दलाल ने कहा कि खेल और शिक्षा दोनों राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल भारद्वाज, सरपंच प्रतिनिधि नीलेश दलाल व विश्वदीप दलाल ने कहा कि फाउंडेशन का यह प्रयास प्रेरणादायक है। इस मौके पर अशोक नंबरदार, आर्य बलवान दलाल समेत अन्य मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। मांडोठी में होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

जिले में मेडिएशन फॉर द नेशन अभियान शुरू

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेडिएशन फॉर द नेशन नाम से विशेष जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का शुभारंभ सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने किया। उन्होंने बताया कि यह अभियान न्यायिक प्रणाली पर बढ़ते बोझ को कम करने और आमजन को त्वरित, सरल, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अभियान के अंतर्गत 1 जुलाई से 31 जुलाई तक जिले की विभिन्न अदालतों में चल रहे उपयुक्त लंबित मामलों को समझौता केंद्र झज्जर में भेजा जाएगा। जहां उनका समाधान आपसी सहमति से किया जाएगा।

झुग्गियों में रहने वालों को नशे के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बताते एसआई सत्यप्रकाश सिंह। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नशे पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत वीरवार को पुलिस टीम ने सब्जी मंडी के पास झुग्गियों में रह रहे परिवारों को नशे के दुष्प्रभाव बताए।

सब इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि नशा बेहद गंभीर बुराई है। नशे के कारण सड़क दुर्घटनाएं और आपराधिक वारदात बढ़ती हैं। नशा करने से आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक हानि होती है। व्यक्ति का पूरा परिवार बिखर जाता है। ऐसे लोगों की समाज में कोई इज्जत नहीं करता। इसलिए नशे से दूर रहना चाहिए। इसलिए नशे से दूर रहे और अपने बच्चों को सामान्य धारा में लाने के लिए शिक्षा तथा खेलों से जोड़ें। यदि तुम्हारे आसपास कोई नशीला सामान बेचता है तो पुलिस को सूचना दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

झज्जर। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों को सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहर के बुद्धों माता मंदिर क्षेत्र से आए नागरिकों ने समाधान शिविर में पहुंचकर जलभराव की समस्या रखी। जिसके जल्द समाधान करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

शिविर में पंचायत विभाग की चार, पब्लिक हेल्थ की चार, यूएचबीवीएन की दो, यूएलबी की दो, एचएसवीपी की एक, शिक्षा विभाग की एक, पुलिस विभाग की दो शिकायतें दर्ज हुई व कुल 19 शिकायतें शिविर में दर्ज हुई।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत वीरवार को क्षेत्र के गांव किलडौद में कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को जागरुक किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी वर्कर शारदा कुमारी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, अपनी बेटियों को शिक्षित करने के प्रेरित किया। इस मौके पर एएनएम मनीषा, योगिता, आशा वर्कर सविता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीणों को जागरुक करते हुए टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राजकपूर ने भी जांचा लोगों का स्वास्थ्य

स्वास्थ्य जांच शिविर में 85 लोगों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

शहर के नया बस स्टैंड रोड स्थित राधा स्वामी कालोनी में राष्ट्रीय सामाजिक संस्था सेवा भारती द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर राजकपूर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। शिविर की शुरूआत करते हुए उन्होंने स्वयं भी लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद पद्धति देश की प्राचीन पद्धति है, जिसमें जड़ी-बूटियों के माध्यम से मरीज का इलाज किया जाता है। आयुर्वेदिक दवाओं से जहां शरीर पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता वहीं बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। इस दौरान आयुष विभाग के चिकित्सक डॉक्टर पवन देशवाल, पंचकर्म विशेषज्ञा डॉक्टर ज्योति आदि ने लोगों की स्वास्थ्य जांच करते हुए जरुदतमंदों को दवाएं भी वितरित की। शिविर में 85 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों की टीम द्वारा योगाभ्यास से स्वास्थ्य लाभ बारे जानकारी देते हुए जहां लोगों को पौष्टिक आहार, दिनचर्या व नियमित व्यायाम के लिए जागरुक किया वहीं विभिन्न औषधीय पौधों से होने वाले लाभों से भी अवगत कराया। इस मौके पर पुष्पा, दीपक, अमित कुमार, फार्मास्टि बिजेंद्र कुमार, योग सहायक गौतम, आशीष, वेदपाल, सेवा भारती कार्यकर्ता बलराज सिंघल, रमेश सैनी, बिजेंद्र कुमार, प्रचार प्रमुख राकेश कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शिविर में अपनी स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे लोग एवं उपस्थित चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

अवैध शराब के साथ काबू किया आरोपी

धारूहेड़ा। थाना सेक्टर-6 पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान वार्ड नं 4 धारूहेड़ा निवासी रोक्की के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 पव्वे देशी शराब बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि रोक्की निवासी वार्ड नं 4 धारूहेड़ा अवैध रूप से शराब बेचने का काम करता है। जो वह अभी अपने मकान में अवैध रूप से शराब बेच रहा है। जिस सूचना को सच मानकर तुरन्त रेडिंग पार्टी तैयार कर बताए हुए स्थान पर पहुंच कर आरोपी को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम रोक्की निवासी वार्ड नं 4 धारूहेड़ा बतलाया। पुलिस द्वारा आरोपी के थैले की तलाशी लेने पर 40 पव्वे देशी शराब बरामद हुई।

NOTICE

I, Kavita Rani W/o No. 118743Y Ex PO Surender R/o Vill & PO Nilauthi Teh. Bahadurgarh Distt. Jhajjar Haryana. I declare that my Husband Service Documents my name is mentioned as Kavita Dahiya & D. O. B as 10 Nov 1981 is incorrect. My correct name is Kavita Rani & correct D. O. B is 10 Nov 1982 as par matriculation certificate, Aadhaar & Pan documents.

सूचना

मैं, विजयपाल पुत्र श्री रामकर्ण निवासी गांव बामनौली, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र रवि मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ब अदालत श्रीमान सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी झज्जर

केस न०. 98/TEH... तकसीम
खेवट न०. 815/713
वाका मौजा : पाटौदा तह व जिला झज्जर
आगामी तारीख पेशी: 29/7/2025
भारत भूषण नागपाल बनाम रावसिंह आदि
इश्तहार मुनादी बजरिये अखबार बरखिलाफ फरीक दोयमगण न०. (1,2,3,4,6,7)

1. श्रीमती सरोज बाला विधवा लखन सिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
2. साधना पुत्री लखन सिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर हाल पत्नी श्री नरेश कुमार निवासी मकान न0. 1614 मुख्य मार्केट के पास सैक्टर 15 सावेर भिवानी हरियाणा -127042
3. विपिन पुत्री लखन सिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर हाल पुत्री श्री नरेश कुमार निवासी मकान न0. 1614 मुख्य मार्केट के पास सैक्टर 15 सावेर भिवानी हरियाणा -127042
4. मीना देवी पत्नी संतराज पुत्र धनीराम निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
6. सुनील कुमार पुत्र श्री लखन सिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
7. अतुल पुत्र ईशवर सिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि प्रार्थीया/फरीक अव्वल ने एक दरखास्त तकसीम खेवट न0. 815/713 वाका मौजा पाटौदा तह व जिला झज्जर बहक उतरवादीगण / फरीक दोयमगण के खिलाफ दायर की हुई जिसमें आगामी तारीख पेशी दिनांक 29/7/2025. लगी हुई है इस इश्तहार द्वारा उतरवादीगण / फरीक दोयमगण न०. (1,2,3,4,6,7) को उपरोक्त दरखास्त तकसीम से सम्बधित कोई भी उजर या ऐतराज हो तो दिनांक 29/7/2025 को उपरोक्त माननीय न्यायलय में असालतन या वकालतन उपस्थित हो सकते है अन्यथा इसके उपरांन्त गुजरने मियाद फरीक दोयगण के खिलफ एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

यह कि इश्तहार मुनादी बजरिये अखबार इस न्यायलय से दिनांक 26.06.25 मेरे हस्ताक्षर वा मोहर सहित जारी किया हुआ है।

हस्ता/-ए.सी प्रथम श्रेणी, झज्जर

ब अदालत श्रीमान सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी झज्जर

केस न०. 99/TEH... तकसीम
खेवट न०. 812/707
वाका मौजा : पाटौदा तह व जिला झज्जर
आगामी तारीख पेशी: 29/7/2025
भारत भूषण नागपाल बनाम रावसिंह आदि
इश्तहार मुनादी बजरिये अखबार बरखिलाफ फरीक दोयमगण न०. (2,4,6,7, 9,11)

2. सतपाल पुत्र उदयसिंह पुत्र रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
4. योगेन्द्र पुत्र उदवसिंह पुत्र श्री रघबीर सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
6. साधना पुत्री लखनसिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर हाल आबाद पुत्री श्री नरेश कुमार निवासी मकान न0. 1614 मुख्य मार्केट के पास सैक्टर 15 सावेर भिवानी-127042
7. विपिन पुत्री लखन सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर हाल आबाद पुत्री श्री नरेश कुमार निवासी मकान न0. 1614 मुख्य मार्केट के पास सैक्टर 15 सावेर भिवानी -127042
9. सुनील कुमार पुत्र लखन सिंह निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर
11. श्रीमती मीना देवी पत्नी संतराज निवासी गांव पाटौदा तह व जिला झज्जर

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि प्रार्थीया/फरीक अव्वल ने एक दरखास्त तकसीम खेवट न0. 812/707 वाका मौजा पाटौदा तह व जिला झज्जर बहक उतरवादीगण / फरीक दोयमगण के खिलाफ दायर की हुई जिसमें आगामी तारीख पेशी दिनांक 29/07/2025 लगी हुई है इस इश्तहार द्वारा उतरवादीगण / फरीक दोयमगण न०. (2,4,6,7, 9,11) को उपरोक्त दरखास्त तकसीम से सम्बधित कोई भी उजर या ऐतराज हो तो दिनांक 29/07/2025 को उपरोक्त माननीय न्यायलय में असालतन या वकालतन उपस्थित हो सकते है अन्यथा इसके उपरांन्त गुजरने मियाद फरीक दोयगण के खिलाफ एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

यह कि इश्तहार मुनादी बजरिये अखबार इस न्यायलय से दिनांक 26.06.25 मेरे हस्ताक्षर वा मोहर सहित जारी किया हुआ है।

हस्ता/-ए.सी प्रथम श्रेणी, झज्जर

स्नातक कक्षाओं में दाखिलों की दूसरी मेरिट लिस्ट जारी

बीए की 84.4 व बीसीए की 78.6% रही कट ऑफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट वीरवार को जारी कर दी गई। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आया है, उनको सात जुलाई तक ऑनलाइन फीस भरनी होगी। फीस भरने के बाद विद्यार्थियों को अपने दस्तावेजों की जांच के लिए कॉलेज में उपस्थित होना होगा। डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए 1567 आवेदन किए गए थे। इन सीटों पर दाखिलों के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने अपने पोर्टल पर 556 विद्यार्थियों की पहली मेरिट लिस्ट जारी की थी। अब 106 विद्यार्थियों की दूसरी मेरिट लिस्ट जारी की गई है। इनमें बीए के 35, बीसीए के 34, बीबीए के 17, बीकॉम के एक, बीएससी फिजिकल साइंस के दो, बीएससी लाइफ साइंस के सात और बीएससी गणित के दस विद्यार्थियों की मेरिट लिस्ट जारी की गई है।

झज्जर। राजकीय नेहरू महाविद्यालय में लिस्ट चस्पा करते हुए कर्मचारी।

यह रही कट ऑफ

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि बीए की अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 84.4 प्रतिशत और न्यूनतम 61.6 प्रतिशत, हरियाणा सामान्य वर्ग की अधिकतम कट ऑफ 61.4 प्रतिशत और न्यूनतम 54.6 प्रतिशत रही। बीसीए कक्षा में अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 78.6 प्रतिशत और न्यूनतम 70.8 प्रतिशत, हरियाणा सामान्य वर्ग की अधिकतम कट ऑफ 70.4 प्रतिशत और न्यूनतम 66.2 प्रतिशत, बीसीए की अधिकतम कट ऑफ 65.2 प्रतिशत और न्यूनतम 53.4 प्रतिशत तथा बीसीबी की अधिकतम कट ऑफ 63.6 प्रतिशत और न्यूनतम 61 प्रतिशत रही। वहीं बीबीए की अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 72.5 प्रतिशत और न्यूनतम 66.6 प्रतिशत और हरियाणा सामान्य वर्ग की अधिकतम कट ऑफ 65 प्रतिशत और 55.2 प्रतिशत रही। बीएससी फिजिकल साइंस की अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 73.2 प्रतिशत और न्यूनतम 71.8 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि बीएससी लाइफ साइंस की अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 75.2 प्रतिशत और न्यूनतम 67.6 प्रतिशत रही। बीएससी गणित की अखिल भारतीय श्रेणी की अधिकतम कट ऑफ 76.4 प्रतिशत और न्यूनतम 74.4 प्रतिशत, हरियाणा सामान्य वर्ग की अधिकतम कट ऑफ 73 प्रतिशत और न्यूनतम 66.2 प्रतिशत रही।

दूसरी मेरिट लिस्ट के आधार पर 7 तक जमा होगी फीस

- पहले चरण के बाद महाविद्यालयों में करीब 25 प्रतिशत सीटों पर हुए एडमिशन

बहादुरगढ़। कॉलेजों में स्नातक (यूजी) प्रथम वर्ष के लिए दाखिले की प्रक्रिया का दूसरा चरण जारी है। एडमिशन के लिए 16 जून तक तक ऑनलाइन आवेदन किए गए थे। इसके बाद 26 जून को पहली सूची जारी की गई थी। जिसके आधार पर कॉलेज की कुल सीटों के मुकाबले करीब 25 फीसद सीटों पर ही एडमिशन सुनिश्चित हुए हैं। अब वीरवार को दूसरी सूची जारी कर दी गई। इसके आधार पर 7 जुलाई तक फीस जमा करवाकर छात्र एडमिशन ले सकेंगे। दरअसल, राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में बीए मॉर्निंग के लिए कुल 320 सीटों पर 481 आवेदन प्राप्त हुए थे। बीए इवनिंग की 200 सीटों पर 90, बीएससी फिजिकल साइंस की 120 सीटों पर 72, बीएससी लाइफ साइंस की 60 सीटों पर 85, बीबीए की 40 सीटों पर 93, बीकॉम की 180 सीटों पर 95, बीसीए की 60 सीटों पर 220 आवेदन प्राप्त हुए थे। पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर बहादुरगढ़ के राजकीय महाविद्यालय में बीए में 101, बीए (सांध्यकालीन) में 40, बीसीए में 25, बीकॉम में 28, बीएससी लाइफ साइंस में 18, बीएससी फिजीकल साइंस में 18 और बीबीए में 21 एडमिशन हुए थे। इस तरह पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर राजकीय कॉलेज में केवल 248 दाखिले हुए थे। कमोबेश यही स्थित इलाके के अन्य कॉलेजों की भी रही। डॉ. प्रदीप, डॉ. विनोद, सरला व जोगेंद्र आदि की टीम डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई करने में जुटी है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए वीरवार को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी की है। राजकीय महाविद्यालय में एडमिशन के नोडल अधिकारी कमल कुमार रंगा ने बताया कि बीए संकाय में ऑल इंडिया की कट ऑफ 66.6, हरियाणा ओपन की 60 प्रतिशत रही। बीए इवनिंग में ऑल इंडिया की कट ऑफ 55.8 प्रतिशत रही। बीबीए में ऑल इंडिया की कट ऑफ 80.4, हरियाणा ओपन की 60, बीसी ए 57.8 प्रतिशत रही। बीसीए में ऑल इंडिया की कट ऑफ 77.4, हरियाणा ओपन की 70.85, एससी 51.4, बीसी ए 57.8 प्रतिशत रही। बीकॉम में ऑल इंडिया की कट ऑफ 58.4 प्रतिशत रही। बीएससी लाइफ साइंस में ऑल इंडिया की कट ऑफ 72.6, हरियाणा ओपन की 53.8 प्रतिशत रही। बीएससी फिजिकल साइंस में ऑल इंडिया की कट ऑफ 51.6 प्रतिशत रही। दूसरी मेरिट लिस्ट के आधार पर फीस भरने व ऑरिजिनल दस्तावेज वेरिफाई करवाने की तिथि 4 से 7 जुलाई रहेगी। इसके बाद भी रिक्त सीटों के लिए आवेदन 9 व 10 जुलाई से होंगे।

बहादुरगढ़। गवर्नमेंट कॉलेज में डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई करते स्टॉफ सदस्य।

दो माह में डीटीपी ने किए 50 से अधिक निर्माण ध्वस्त, 10 केस दर्ज

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें अवैध कॉलोनियों के खिलाफ मई व जून महीने में की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनियों को किसी भी सूरत में पनपने ना दिया जाए और सूचना मिलते ही तुरंत एक्शन लेते हुए निर्माण ध्वस्त किया जाए। वहीं डीटीपी मनीष दहिया ने बताया कि इस वर्ष मई व जून माह की अवधि में अवैध कॉलोनी निर्माण के 15 मामलों में कार्रवाई की गई करते हुए उन्हें ध्वस्त किया गया। इसके अलावा 10 मामलों में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है।

बहादुरगढ़। निर्मला देवी को रिटायरमेंट पर विदाई देते स्कूल स्टॉफ।

मिड डे मिल वर्कर को दी विदाई

बहादुरगढ़। गांव निलोठी के राजकीय विद्यालय में मिड डे मील वर्कर निर्मला देवी को सेवानिवृत्ति पर समारोहपूर्वक विदाई दी गई। आयोजित समारोह में प्रिंसिपल विजय खत्री समेत सभी शिक्षकों ने उनकी कार्यशैली का बखान किया। साथ ही उन्हें यादगार स्वरूप उपहार भेंट किए गए।

साइबर क्राइम व सड़क सुरक्षा की दी जानकारी

बाल विकास स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सामुदायिक पुलिसिंग टीम की ओर से वीरवार को बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की पालना व साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया गया।

निरीक्षक सतीश कुमार ने कहा कि सड़क पर अधिकांश दुर्घटनाएं नियमों की अनदेखी के कारण होती है। एक लापरवाह चालक खुद की जान को तो जोखिम में डालता ही है, दूसरों के लिए भी खतरा बन जाता है। इसलिए वाहन चलाते वक्त नियमों का पालन बेहद जरूरी है। केवल चालक ही नहीं, बल्कि हर आम नागरिक को यातायात नियमों की जानकारी होनी चाहिए। पैदल चलते वक्त भी नियमों की पालना करनी चाहिए। यदि रास्ते में कोई घायल नजर आए तो उसकी मदद करें। वहीं, उन्होंने कहा कि आजकल साइबर अपराध बढ़ रहा है। ऐसे में इंटरनेट, मोबाइल आदि चलाते वक्त सतर्क रहने की जरूरत है। किसी को भी अपनी निजी जानकारी न दें और न ही ओटीपी शेयर करें।

इसरो घूमकर आए विद्यार्थियों ने अपने अनुभवों को किया सांझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। असेंबली में प्रिंसिपल के साथ इसरो से लौटकर आए विद्यार्थी।

सैनिक पब्लिक स्कूल के 25 छात्र–छात्राओं और 5 शिक्षकों के दल ने 14 से 20 मई के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का शैक्षणिक भ्रमण किया था। वीरवार को स्कूल में हुई असेंबली में इन विद्यार्थियों ने वहां के अभूतपूर्व मिशनों की जानकारी दी। कक्षा दसवीं के सार्थक ने मिशन कंट्रोल सेंटर, जीएसएलवी एफ16, चंद्रयान व रॉकेट साइंस के बारे में बताया। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने कहा कि इसरो के भ्रमण से विद्यार्थियों में "स्पेस टेक्नोलॉजी एंड रॉकेट साइंस" के प्रति विशेष आकर्षण बढ़ा है। इसरो से लौटकर आए विद्यार्थियों को इसरो का स्मृति चिह्न भेंटस्वरूप दिया गया।

भाजपा की ओर से कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा पूरा मान सम्मान : कौशिक

महावीर दलाल ने जताया भाजपा नेतृत्व का आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। दिनेश कौशिक का आभार व्यक्त करते महावीर दलाल।

जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) के सदस्य बने भाजपा मांडोठी मंडल अध्यक्ष महावीर दलाल का वीरवार को भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक के सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर स्वागत किया गया। महावीर ने दिनेश कौशिक को मिठाई खिलाकर धन्यवाद किया। साथ ही ग्रीवेंस कमेटी सदस्य बनाने पर सीएम नायब सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि व भाजपा नेता दिनेश कौशिक सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। दिनेश कौशिक ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से कार्यकर्ताओं को पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी ग्रीवेंस कमेटी सदस्य पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करें, ताकि आपके कार्यकाल को सदैव याद किया जा सके।

प्लास्टिक बैग का प्रयोग न करने को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में बनाए पेपर व जूट बैग दिखाते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को सजग किया गया और प्लास्टिक के विकल्पों को त्यागने की प्रेरणा दी गई। डीपीएस स्कूल में पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने रचनात्मकता का परिचय देते हुए जूट तथा पेपर से सुंदर और उपयोगी बैग तैयार किए। बच्चों ने इन बैगों को सजाते हुए संदेश दिया कि प्लास्टिक का उपयोग छोड़कर हम पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपना सकते हैं। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें हमें प्लास्टिक का त्याग कर पेपर या जूट बैग का प्रयोग करने पर विमर्श हुआ। प्रतिभागियों ने तर्क और तथ्यों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए तथा दर्शकों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। प्रधानाचार्या नीरजा ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों में रचनात्मकता विकसित करते हैं, बल्कि उन्हें जागरूक और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं।

परनाला हत्याकांड में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का किया दावा

- दुकानदार सतबीर की गोलियां, पत्थर व चाकू आदि मारकर की थी हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

परनाला निवासी सतबीर की हत्या हुए चार दिन बीत गए हैं। मृतक का परिवार न्याय के इंतजार में है तो वहीं, दूसरी तरफ पुलिस अभी तक इस केस में एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस द्वारा ये दावा भी किया जा रहा है कि कानून के हाथ आरोपियों के नजदीक हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर वारदात सुलझा ली जाएगी। गत 29 जून की सुबह परनाला में किरयाणा दुकानदार सतबीर की गोलियां, पत्थर व चाकू आदि मारकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल, कुछ महीने पहले सतबीर के बेटे ने गांव की ही एक लड़की से विवाह किया था। जिसके बाद से दोनों परिवारों में रंजिश थी। इसी रंजिश में सतबीर को मौत के घाट उतारा गया। मामले में लड़की के भाइयों सहित चार नामजद व अन्य अज्ञात आरोपी शामिल बताए जा रहे हैं। लाइनपार थाना व सीआईए की टीमें इस केस में भागदौड़ कर रही हैं। हत्या की वारदात को चार दिन बीत गए हैं। इस केस में पुलिस अभी तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। परिजन न्याय के इंतजार में है और आरोपियों की मांग उठा रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सफलता अमेरिका के बर्मिंघम (अलबामा) शहर में आयोजित प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

वर्ल्ड पुलिस गेम्स में प्रीति ने हासिल किया गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पोडियम पर पदक विजेता प्रीति राठी। फोटो : हरिभूमि

यूएसए में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में गांव खरहर की बहू प्रीति राठी छाई रही। शानदार प्रदर्शन करते हुए कुश्ती में प्रीति ने देश के लिए गोल्ड मेडल जीता है। उसकी जीत पर परिजनों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। जीतकर लौटने पर उसका जोरदार अभिनंदन किया जाएगा।

दरअसल, अमेरिका के बर्मिंघम (अलबामा) शहर में 27 जून से शुरू हुए ये खेल आगामी छह जुलाई तक चलेंगे। दुनियाभर के पुलिस बलों में कार्यरत खिलाड़ी इन खेलों में भाग ले रहे हैं। भारत की ओर से प्रीति हुड्डा राठी ने जोर आजमाइश की। प्रीति ने कुश्ती के 76 केजी भारवर्ग में दमखम दिखाते हुए गोल्ड मेडल जीता है। प्रीति सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल है। देश के लिए अपने कर्तव्य को निभाने के साथ साथ खेलों में भी परचम लहरा रही है। प्रीति इससे पहले सीनियर नेशनल अंडर-23 में सिलवर, ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में गोल्ड, नेशनल ग्रैंड पिक्स में सिलवर मेडल जीत चुकी है। प्रीति ने अपनी जीत का श्रेय अपने कोचों, पति व परिवार को दिया है। प्रीति ने कहा कि गुरुजनों के मार्गदर्शन और परिजनों के साथ के बिना ये सब करना संभव नहीं है।

करीब 24 वर्षीय प्रीति रोहतक जिले के गांव खिड़वाली की बेटी है और लगभग तीन साल पहले इसकी शादी झज्जर जिले के गांव खरहर के निवासी अमन राठी के साथ हुई थी। सुशील पहलवान, काला पहलवान आदि को देखकर कम उम्र में प्रीति ने अपने गांव से ही कुश्ती सीखनी शुरू की।

प्रीती को ससुराल से मिला सहयोग

सीआरपीएफ कोच अनिल जून, अमित दहिया व अपने भाई अमित हुड्डा से प्रीति ने कुश्ती की बारीकियां सीखी हैं। प्रीति को कुश्ती से बेहद लगाव है। शादी के बाद भी उसने अभ्यास जारी रखा। ससुराल में भी उसे ससुर जयभगवान दूधिया समेत पूरे परिवार का सहयोग मिला, जिसके चलते उसके प्रदर्शन में लगाता निखार आ रहा है। वहीं, प्रीति के पति अमन राठी ने कहा कि मैं व हमारा पूरा परिवार प्रीति के साथ है। हमारा प्रयास है रहता कि वह बेहतर तैयारी करें। हमें ये भी यकीन है कि एक दिन वह ओलंपिक जैसी विश्व स्तरीय बड़ी प्रतियोगिता में देश के लिए मेडल जीतेगी।

सपना नागल ने 59 किलो भार वर्ग जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

होनहार खिलाड़ी सपना नागल

क्षेत्र के गांव जैतपुर की बेटी सपना नागल ने अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस गेम की कुश्ती स्पर्धा में गोल्ड मेडल हासिल कर जिले, प्रदेश व देश का गौरव बढ़ाया है। सपना के पिता नरेंद्र ने बताया कि उनकी पुत्री ने 59 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए यह पदक जीत कर उनका सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। इससे पहले भी सपना दो बार ऑल इंडिया पुलिस गेम में गोल्ड मेडल जीत चुकी है और नेशनल गेम्स में ब्रांज मेडल, सीनियर नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल सहित अनेक उपलब्धियां हासिल कर जिले का नाम रोशन कर चुकी है। सपना नागल की इस कामयाबी पर गांव में भी खुशी की लहर है। सपना अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने कोच याशिन खान, पिता नरेंद्र व मां मंजूबाला के अलावा अपने ससुरालजनों को देती है। सपना का कहना है कि उन्हीं के सहयोग से वह यह मुकाम हासिल कर पाई है। इस जीत पर रोडवेज जीएम संजीव तिहाल, रोडवेज प्रधान कृष्ण सिवाना, रामबीर डीघल, नीटू, सुरेंद्र नागल आदि ने परिजनों को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।